बढ़ोतरी के सम्बन्ध में कोई ठीक जानकारी उपलब्ध नहीं है । तथापि दूसरी पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत देश में फल उत्पादन के विकास के लिये एक योजना स्वीकार की गई है । इस योजना के अन्तर्गत अभी तक ५४,०५० एकड़ भूमि में नये फलों के बाग लगा दिये गये हैं और मौजूदा फल के बागों के ३२,३५० एकड़ भूमि को अभी तक पुनरुज्जीवित कर दिया गया है । ये नये स्थापित किये गये फल के बाग पौधे लगाने के ४ व ५ साल बाद फल देने लगेंगे । जो फल के पुनरुज्जीवित किये गये बाग है (सन् १९५६-५७ में ७,९०० एकड़ सन् १९५७-५८ में १८,७१४ एकड़ और सितम्बर १९५८-५९ तक ५,७३६ एकड़) उन से आशा की जाती है कि वे कम से कम १० प्रतिशत का अधिक उत्पादन दे सकते हैं । इस आधार पर उत्पादन में वर्षों के अनुसार निम्न बढ़ोतरी हो सकती है :—

	मन
१९५६ . .	४०,०००
१९५७ . .	१,३५,०००
१९५८ . .	१,६४,०००

(ख) जी हां ।

(ग) फलों को पूरक खाद्य के रूप में इस्तेमाल करने के लिये स्वस्थ्य प्रकाशन कार्यक्रम के द्वारा प्रचार किया जाता है ।

(घ) इस विषय पर कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है ।

(ङ) जानकारी उपलब्ध नही है ।

डाक-घर

११८९. श्रीमती कृष्णा मेहता : क्या परिवहन तथा संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) तहसील किश्तवाड, जिला डोडा (जम्मू और काश्मीर) में कितने डाक-घर तथा तार-घर काम कर रहे हैं ;

(ख) क्या सरकार को विदित है कि किश्तवाड में डाक पहुंचने में बहुत देर लग जाती है और वहां के डाक-घरों में मनी-आर्डर, प्रपत्र और अन्य डाक-सामग्री प्राप्त करने में बहुत कठिनाई होती है ; और

(ग) यदि हां, तो इन कठिनाइयों को दूर करने के लिये क्या कार्यवाही की जा रही है ?

परिवहन तथा संचार मंत्री (श्री स० का० पाटिल) : (क) १ नवम्बर, १९५८ को काम कर रहे—

डाक-घर . .	९
तार-घर . .	२

(ख) और (ग). जी नहीं ; किश्तवाड में उपलब्ध होने वाली संचार-संबंधी सुविधाओं का विचार करते हुए डाक के वहां पहुंचने का पार-गमन (transit) समय सामान्य सा है ।

मनी-आर्डर फ़ार्मों तथा डाक-सामग्री की कमी के विषय में मुझे यह निवेदन करना कि किश्तवाड में २५०० मनी-आर्डर फ़ार्म १८ जून, १९५८ को उपलब्ध कराये गये थे । वहां के डाक-घरों में इन फ़ार्मों को पर्याप्त मात्रा में दिये जाने का प्रबन्ध किया गया है । अन्य प्रकार की डाक-सामग्री का संभरण (supply) सन्तोषजनक है ।

खाद्यान्न का यातायात

११९०. श्री भ० दी० मिश्र : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) १९५७-५८ में अब तक उत्तर प्रदेश के जिला बहराइच से खाद्यान्न के यातायात के लिये कितने बन्द और खुले माल डिब्बे दिये गये और प्रत्येक प्रकार के डिब्बों में कितना खाद्यान्न भेजा गया ;

(ख) ईंधन के यातायात के लिये कितने बन्द और खुले माल डिब्बे दिये गये ;